

SALTOC Project

Title: Madhumatī

Imprint: Udayapura: Rājasthāna Sāhitya Akādami

OCLC: 3195624

Volume 42: no 1, January 2002

TOC Supplied By: Columbia University Libraries

मधुमती



जनवरी, २००२

अनुक्रम

टिप्पणी

१. गोर्की के पत्र : आस्था और संघर्ष के स्वर — देवेन्द्र चौबे ४-१६
चार गुज़लें
२. शीन काफ़ निज़ाम कविताएँ १७-१९
३. पिता के एकाएक — हरेन्द्र कोटिया २०-२२
४. निहायत निजी — पाँच कविताएँ — प्रभात त्रिपाठी २३-२४
५. लेखक का सपना — चार कविताएँ — हेमन्त शेष २५-२७
६. हालचाल — दो कविताएँ — वेणु गोपाल कृष्ण लेख २८
७. अज्ञेय की कविता में मातृ-प्रतिमा — विश्वास पाटील २९-३६

टिप्पणी

८. रचना के सही मूल्यांकन के लिए समीक्षा आवश्यक — रामचरण यादव 'याददाशत' कथा ३७-३९
९. आखिर हुआ क्या है ? — विवेकी राय ४०-४४
१०. और अल्का सम्भल गई — सावित्री रांका मराठी कहानी ४५-५०

मराठी कहानी

११. एक कली झुलस गई — पुरुषोत्तम रामचंद्र जोशी अनुवाद : सुशीला दुबे ५१-५६
१२. मेला—पुस्तक मेला— रामदरश मिश्र ५७-६२

स्मरण

१३. छायावाद के पुरस्कर्ता : मुकुटधर पाण्डेय — सूरज पालीवाल व्यंग्य ६३-६७

१४. हँसो, हँसो खुलकर हँसो — वेदप्रकाश अमिताभ साक्षात्कार ६८-७०

साक्षात्कार

१५. प्रो. इरफान हबीब से बातचीत हिस्ट्री धरती की सीखनी चाहिए : धर्मवालों की नहीं — प्रेम कुमार ७१-७८

और अन्त में

१६. बर्बरता के बीच साहित्य पाठ — नवलकिशोर पुस्तक समीक्षा ७९-८३

पुस्तक समीक्षा

१७. कविता में नहीं है जो — मोहनकृष्ण बोहरा ८४-८८

१८. यथार्थ और संवेदना को गहराती कहानियाँ — वीरेन्द्र सिंह ८९-९१

१९. वैचारिक यात्रा का एक हमसफ़र — बजरंग बिहारी तिवारी ९२-९३

२०. छोटे कदम लम्बी राहें — ज्योत्सना इन्द्रेश ९४-९५

२१. राजस्थान का समकालीन कथा साहित्य — हेतु भारद्वाज ९६-९८

२२. यह फ़ैसला किसका था की कहानियों का यथार्थ — सूरज पालीवाल ९९-१०१

२३. राजनीति के कारोबार की अंतरंग ख़बर — भागीरथ भार्गव १०२-१०४

रपट

२४. राष्ट्रीय संगोष्ठी १-२ दिसम्बर, २००१ १०५-१०७

२५. अकादमी दिवस पर — डॉ. प्रकाश आतुर व्याख्यानमाला १०८-११०

२६. पाठकीय प्रतिक्रियाएँ १११-११४

२६. मधुमती में समीक्षार्थ प्राप्त पुस्तकों की प्राप्ति स्वीकार ११५-१२०

मधुमती : जनवरी, २००२